

3

कलीसिया:

इसकी आवाज़ का स्वर

निश्चितता में

1. बहुत ही कम अपवाद के साथ, परमेश्वर की प्रेरणा प्राप्त लेखक इस संस्थान को ज़्या कहते हैं?
“कलीसिया”।
2. “कलीसिया” के अलावा, यीशु ने इसे और ज़्या कहा (मज़ी 16:18)?
3. संगठन के रूप में, कलीसिया ज़्या है (कुलुस्सियों 1:18)?
4. स्वामित्व के सज़्बन्ध में, इसे ज़्या कहा गया है(इफिसियों 1:23; कुलुस्सियों 1:24)?
5. मार्ग के सज़्बन्ध में, कलीसिया का चित्रण कैसे किया जाता था (प्रेरितों 19:9, 23; 22:4)?

इसकी सदस्यता की बात करते हुए

1. विश्वास के सज़्बन्ध में, सदस्यों को ज़्या कहा जाता था (प्रेरितों 4:32)?
2. मसीह के अनुयायियों के सज़्बन्ध में, उन्हें अज़सर ज़्या कहकर पुकारा जाता था (प्रेरितों 9:25, 38)?
 - क. प्रेरितों के काम में कलीसिया के सदस्यों के लिए इस शब्द का कितनी बार इस्तेमाल हुआ है ? 30.
 - ख. वे किसके चेले थे (प्रेरितों 9:1) ?
 - ग. चेलों को “चेलों की कलीसिया” ज्यों नहीं कहा जाता था ?
3. पवित्र लोगों के विषय में, सदस्यों को ज़्या कहकर पुकारा जाता था (प्रेरितों 9:13, 41)?
4. मार्ग की अनिश्चितता के विषय में उन्हें ज़्या कहा जाता था (प्रेरितों 9:2)?
5. एक दूसरे से सज़्बन्ध में, उन्हें ज़्या कहा जाता था (प्रेरितों 9:30; 12:17)?
 - क. प्रेरितों के काम में कलीसिया के सदस्यों के लिए इस शब्द का इस्तेमाल कितनी बार किया गया है ? 30.
 - ख. यदि वे आपस में सब भाई थे, तो परमेश्वर उनका ज़्या था (रोमियों 8:17) ?

6. मसीह प्रभु है, तो हर एक सदस्य ज़्या है (प्रेरितों 16:17; इफिसियों 6:6)?
7. काम करने वाली इकाई के रूप में, प्रत्येक सदस्य ज़्या है (रोमियों 12:4, 5)?
8. हनन्याह ने कलीसिया के सदस्यों को ज़्या कहा था (प्रेरितों 9:14)?
9. प्रत्येक सदस्य का सर्वश्रेष्ठ नाम ज़्या है (प्रेरितों 11:26)?
 - क. “मसीही” का ज़्या अर्थ है ?
 - ख. हमें किस नाम में दुख उठाना और परमेश्वर की महिमा करनी चाहिए (1 पतरस 4:16) ?

विकास अर्थात् बढ़ने के सञ्चय में

1. वचन को ग्रहण करने वालों के विषय में कौन सी दो बातें कही गई हैं (प्रेरितों 2:41)?
 - क. उन्हें कलीसिया में किसने मिलाया (प्रेरितों 2:41, 47) ?
 - ख. कलीसिया में परमेश्वर केवल किसे मिलाता है (प्रेरितों 2:47) ?
2. बाद में कलीसिया को कैसे बढ़ते हुए दिखाया गया है (प्रेरितों 5:14)?
3. सदस्यों की संख्या बढ़ जाने को ज़्या कहा गया है (प्रेरितों 6:1)?
4. बाद में ज़्या फैला? ज़्या बढ़ा (प्रेरितों 6:7)?
5. बरनबास के काम के बारे में ज़्या कहा गया था (प्रेरितों 11:24)?
6. इस बात को और किस प्रकार कहा गया है (प्रेरितों 12:24)?

मन परिवर्तन की बात करें तो

1. याजकों के मन परिवर्तन के बारे में ज़्या कहा गया है (प्रेरितों 6:7)?
2. सामरियों के मन परिवर्तन का वर्णन कैसे किया गया था (प्रेरितों 8:12)?
 - क. इस बारे में प्रेरितों को ज़्या समाचार मिला था (प्रेरितों 8:14) ?
 - ख. बिरीया के लोगों ने वचन को कैसे ग्रहण किया (प्रेरितों 17:11) ?
3. लुद्दा और शारोन के लोगों ने कैसे मन फिराया (प्रेरितों 9:35)?
4. “बहुत लोगों” का मन परिवर्तन कैसे हुआ था (प्रेरितों 11:21)?
 - क. मन परिवर्तन में, सब अन्यजातियों को ज़्या हुआ (प्रेरितों 26:17, 18) ?
 - ख. थिस्सलुनीकियों ने ज़्या किया (1 थिस्सलुनीकियों 1:9) ?
5. कुरिन्थुस के लोगों ने कैसे मन फिराया (प्रेरितों 18:8)?

प्रचार की भरपूरी में

1. चेलों को ज़्या प्रचार करने का आदेश मिला था (प्रेरितों 5:20)?
2. तितर - बितर होने वाली कलीसिया ने ज़्या किया (प्रेरितों 8:4, 5)?
3. फिलिप्पुस ने किसका प्रचार किया (प्रेरितों 8:35)? शाऊल ने किसका प्रचार किया (प्रेरितों 9:20)?
4. लुस्त्रा और दिरबे में पौलुस ने किसका प्रचार किया (प्रेरितों 14:7, 21)?
5. पौलुस ने ज़्या बताने के बारे में कहा था (प्रेरितों 20:27)?